SOCIAL CONTRACT THEORY : ROUSSEAU

AN ANALYSIS सामाजिक समझौता सिद्धान्त : रूसो – एक विश्लेषण

.

DR SHAKEEL HUSAIN

HEAD DEPT OF POLITICAL SCIENCE

VYT PG AUTONOMOUS COLLEGE DURG

CHHATISGARH

ACCREIDITED AS A+ BY NAAC

BACKGROUND & PURPOSE OF PHILOSOPHY
दर्शन की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य

ROUSSEAU रूसो

SOCIAL CONTRACT

रूसो 18वी सदी की फ्रेंच क्रांती का दार्शनिक है ।

तत्कालीन फ्रांस मे लुई के अत्याचारी शासन से लोग तंग थे और राजतंत्र को समिप्त कर जनता का शासन चाहते थे

रूसो के अलावा माण्टेस्क्यू, वाल्तेयर, जैसे दार्शनिक भी उस समय थे ।

रूसो के सामने हाब्स का व्यक्तिवादी राजतंत्र , लाक की सःसदीय प्रभुता थी । लेकिन उसने इन दोनो से इतर लोक प्रभुता का मार्ग अपनाया ।अतः तीनो ने तीन प्रकार के समझौते व सम्प्रभुता का सिद्धान्त दिया ।

HUMAN NATURE
मानव स्वभाव

ROUSSEAU रूसो

रूसोप्रवृत्तियों ने हाब्स और लाक का मिश्रण किया और कहा कि

मानव स्वभाव अच्छाई और बुराई का मिश्रण है ।

मनुष्य भद्र-बर्बर NOBLE SAVAGE है ।

मानव स्वभाव दो मूल प्रवृत्तियों BASIC INSTINCT , आत्मरक्षा और प्रेम पर आधारित है ।

प्रेम के कारण वह भद्र NOBLE है और आत्म रक्षा के कारण SAVAGE बर्बर है ।

विवेक नामक एक एक तीसरी मूल प्रवृत्ति INSTINCT है जो दोनो मे संतुलन स्थापित करती है ।

रूसो का मानव स्वभाव का विश्लेषण काल्पनिक न होकर आनुभविक था ।

STATE OF NATURE
प्राकृतिक अवस्था

ROUSSEAOU रूसो

रूसो की प्राकृतिक अवस्था के तीन चरण है , जो मानव स्वभाव के अनुरूप है ।

आदिम प्राकृतिक अवस्था - यह आनन्दमय जीवन था । मनौष्य सवेगो INSTINCTS से संचरित था । ग्राम्य सादगी का जीवन था

मध्यवर्ती प्राकृतिक अवस्था - जनसंख्या वृद्धि के साथ सभ्यता का विकास । " यह असमानता के साथ ही पाप की ओर पहला कदम था "

सभ्येत्तर प्राकृतिक अवस्था - सम्पत्ति का विकास , दासता, नियमो , आदि का उदूभव । मानव का पूर्ण पतन । BACK TO YOIR INSTINCTS . BACK TO NATURE .

SOCIAL CONTRACT
सामाजिक समझौता ।

ROUSSEAOU रूसो

“ हममे से प्रत्येक व्यक्ति अपने शरीर और सम्पूर्ण शक्ति को सामान्य इच्छा के सर्वोच्च निर्देशन मे रखता है , तथा हम सामूहिक रूप मे प्रत्येक मनुष्य को सम्पूर्ण समुदाय का अंग स्वीकार करते हैं “

OUT COME OF SOCIAL CONTRACT
सामाजिक समझौते का परिणाम

ROUSSEAU रूसो

- सामान्य इच्छा GENERAL WILL की प्राप्ति ।
- सामुदायिकता का जीवन – " समझौता करनेवाले प्रत्येक व्यक्ति से ...सामूहिक निकाय का निर्माण होता है । ...इसके सदस्य सामूहिक रूप से राज्य और व्यक्तिगत रूप से नागरिक कहलातें है । "
- समझौता अनुलंघनीय है और सामान्य इच्छा सबकी इच्छा न होकर सबके हित की इच्छा है । यह सम्प्रभु है ।
- सामान्य इच्छा को सिर कटा लेवियाथन भी कहा गया है ।

THANK YOU

धन्यवाद